जीवन बीमा के बारे में 9 भ्रांतियाँ : सच जानें !

नई दिल्ली, 10 अप्रैल. जीवन बीमा हमारे वित्तीय सुरक्षा का एक मुख्य आधार है, लेकिन इसके बारे में कई भ्रांतियाँ हमारे निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं. सही जानकारी के साथ, आप समझदारी से जीवन बीमा का चयन कर सकते हैं और अपने परिवार का भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं. चलिए, जीवन बीमा से जुड़े 9 आम मिथकों को दूर करते हैं और कुछ उपयोगी सुझावों पर चर्चा करते हैं.

भ्रांति 1- जीवन बीमा केवल अमीरों के लिए होता है

बहुत से लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा केवल संपन्न लोगों के लिए है, लेकिन यह हर व्यक्ति की ज़रूरत है. टर्म प्लान्स, सेविंग्स प्लान्स और यूलिप (LIP) जैसी योजनाएँ सभी के लिए उपलब्ध हैं, जो हर आय वर्ग के लोगों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करती हैं.

सुझाव- जल्दी शुरुआत करने से प्रीमियम कम होता है और ब्याज की स्थिर दरों का लाभ मिलता है.

भ्रांति 2- जीवन बीमा सभी परिवार के सदस्यों के लिए आवश्यक नहीं है

जीवन बीमा सिर्फ कमाने वालों के लिए ही नहीं, बल्कि गृहणियों और अन्य सदस्यों के लिए भी आवश्यक है. उनकी अचानक अनुपस्थिति में, परिवार को आर्थिक सहारा मिलता है.

सुझाव- सभी सदस्यों के लिए कवरेज की योजना बनाएं, ताकि परिवार का वित्तीय भविष्य सुरक्षित रहे.

भ्रांति 3- कंपनी का दिया हुआ बीमा ही पर्याप्त होता है

कंपनी का बीमा एक लाभ है, लेकिन अक्सर इसमें कवरेज सीमित होता है, जो लंबी अवधि के लक्ष्यों को पूरा करने में असमर्थ हो सकता है.

सुझाव- कंपनी के बीमा के साथ एक व्यक्तिगत पॉलिसी लें, ताकि नौकरी बदलने या बंद होने पर भी आपका परिवार सुरक्षित रहे.

भ्रांति 4- केवल वेतन पाने वाले ही जीवन बीमा ले सकते हैं.

स्व-रोजगार वाले लोग भी बीमा लेकर अपने व्यवसाय और परिवार की सुरक्षा कर सकते हैं. नई तकनीक से बीमा कंपनियों के लिए स्व-रोजगार वालों का वित्तीय मूल्यांकन करना आसान हो गया है.

सुझाव- अपने व्यवसाय और व्यक्तिगत वित्त की सुरक्षा के लिए जीवन बीमा का हिस्सा बनाएं और

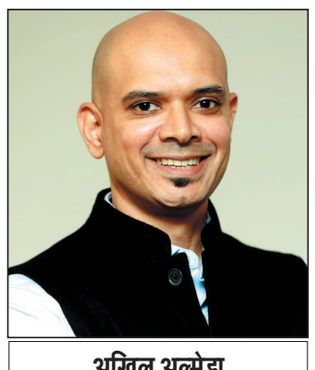

अखिल अल्मेडा
मार्केटिंग प्रमुख, बंधन लाइफ इंश्योरेंस

जिम्मेदारियों के अनुसार कवरेज चुनें.

भ्रांति 5-जीवन बीमा लेने का समय निकल चुका है.

जीवन बीमा किसी भी उम्र में लिया जा सकता है. उम्र के साथ प्रीमियम बढ़ता है, लेकिन फिर भी विभिन्न योजनाएँ मौजूद हैं जो वृद्ध लोगों के लिए भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सकती हैं.

सुझाव- रिटायरमेंट प्लान और अन्य लंबी अवधि की योजनाओं के बारे में भी सोचें.

भ्रांति 6- अगर आप अकेले हैं तो जीवन बीमा की आवश्यकता नहीं है

अविवाहित लोग भी जीवन बीमा का लाभ उठा सकते हैं. टर्म प्लान और यूलिप जैसी योजनाएँ भविष्य में कर्ज, इलाज के खर्च या अन्य जिम्मेदारियों के लिए बचत में सहायक होती हैं.

सुझाव- अपनी आवश्यकताओं का मूल्यांकन करें और समय-समय पर अपने बीमा कवरेज में बदलाव करें.

भ्रांति 7- जीवन बीमा बहुत महंगा होता है

कई लोग जीवन बीमा की लागत का अनुमान गलत लगाते हैं. सही योजना चुनने से यह किफायती हो सकता है. युवा अवस्था में पॉलिसी लेने पर प्रीमियम भी कम होता है.

सुझाव- बजट के अनुसार मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक भुगतान विकल्प चुनें.

भ्रांति 8- बीमा से मिलने वाली राशि पर टैक्स लगता है

भारत में जीवन बीमा से मिलने वाली राशि पर टैक्स नहीं लगता, जिससे यह एक बेहतरीन वित्तीय सुरक्षा का साधन बनता है.

सुझाव- धारा 80C और 10(10D) के तहत टैक्स छूट का लाभ उठाएँ.

भ्रांति 9- अच्छा स्वास्थ्य होने पर जीवन बीमा की ज़रूरत नहीं होती

आप का स्वास्थ्य हमेशा अच्छा रहेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है. स्वस्थ रहते हुए बीमा लेना, आपको कम प्रीमियम का लाभ दिला सकता है.

सुझाव- स्वास्थ्य और जीवन बीमा दोनों का संयोजन करके अपने वित्तीय भविष्य को सुरक्षित रखें.

समझदारी से वित्तीय फ़ैसले लें

जीवन बीमा आपके परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है. सही जानकारी के साथ, आप अपने परिवार की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित कर सकते हैं और जीवन के हर महत्वपूर्ण चरण में

इंडिगो एयरलाइंस ने रचा इतिहास

23.15 अरब डॉलर का आंकड़ा छूकर पहले पायदान पर

इंडिगो की मार्केट वैल्यू रु.2.01 लाख करोड़ पर पहुंच गई

नई दिल्ली, 10 अप्रैल. इंडिगो ने कुछ समय के लिए मार्केट कैप के मामले में दुनिया की सबसे बड़ी एयरलाइन बनकर इतिहास रच दिया था. उस समय इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड 23.15 अरब डॉलर का आंकड़ा छूकर पहले पायदान पर पहुंच गई थी, अमेरिकी बाजार खुलते ही डेल्टा एयरलाइंस के शेयरों में तेजी देखने को मिली.

डेल्टा एयरलाइंस का मार्केट कैप 24.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया. इसके चलते डेल्टा एयरलाइंस ने इंडिगो को पछाड़कर फिर से पहला स्थान हासिल कर लिया. इंडिगो की मार्केट वैल्यू रु. 2.01 लाख करोड़ पर पहुंच गई है.आयरलैंड की रायनएयर होल्डिंग्स पीएलसी इस रेस में तीसरे पायदान पर है, जिसका मार्केट कैप करीब 21.3 अरब डॉलर है.

यानी इंडिगो ने वैश्विक एविएशन इंडस्ट्री में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई, भले ही यह थोड़े समय के लिए ही रहा हो. इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड भारतीय स्टॉक एक्सचेंज बीएसई-एनएसई में लिस्टेड है, जबकि डेल्टा एयरलाइंस अमेरिकी बाजार में लिस्टेड है.

महावीर जयंती पर शेयर और मुद्रा बाजार बंद

मुंबई 10 अप्रैल (वार्ता) श्री महावीर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार और अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में अवकाश रहा, जिसके कारण कोई कामकाज नहीं हो सका.

देश के प्रमुख शेयर बाजारों बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार भी बंद रहा है. कारोबारियों का कहना है कि अब शुक्रवार को सामान्य कामकाज होगा.

इसके बाद अगले सप्ताह 14 अप्रैल सोमवार को बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती और 18 अप्रैल शुक्रवार को गुड फ्राइडे पर अवकाश रहने के कारण बीएसई और एनएसई के साथ ही अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में कारोबार नहीं होगा.

महिंद्रा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में आगे

ग्राहकों से मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते बुकिंग में तेजी

कोलकाता 10 अप्रैल (वार्ता) वाहन निर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाते हुए अपनी नई ऑल-इलेक्ट्रिक ओरिजिन स्पोर्ट्स यूटिलिटीज व्हीकल एक्सईवी 9ई और बीई6 की 3000 से अधिक इकाई की डिलीवरी पूरी कर ली है.

कंपनी ने गुरुवार को बतया कि यह उपलब्धि केवल 20 मार्च 2025 को डिलीवरी शुरू होने के बाद महज 20 दिनों में हासिल हुई है. ग्राहकों से मिल रही जबरदस्त प्रतिक्रिया के चलते दोनों मॉडल की बुकिंग तेजी से बढ़ रही है, जिसमें ज्यादातर ग्राहक %पैक थ्री यानी पूरी तरह से लोडेड वैरिएंट को चुन रहे हैं. कंपनी के अनुसार, एक्सई9ई की कुल मांग का 59 प्रतिशत हिस्सा है जबकि बीई6 के लिए 41 प्रतिशत ग्राहक इच्छुक हैं. उसने बताया कि कुछ क्षेत्रों में इन मॉडलों की प्रतीक्षा अवधि छह महीने तक पहुंच गई है. इस बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए महिंद्रा देशभर में डिलीवरी बढ़ाने और ग्राहकों को सहज अनुभव देने के लिए अपने वितरण नेटवर्क को सशक्त बना रही है.

महिंद्रा ने ईवी अपनाने वाले नए ग्राहकों के लिए 'डिफ़ॉल्ट ड्राइव मोड' नामक एक विशेष मोड पेश किया है. यह मोड पारंपरिक पेट्रोल-डीजल वाहनों के समान ड्राइविंग अनुभव देता है, जिससे पहली बार ईवी चलाने वालों को भी यह ट्रांजिशन सहज और सहजता से अपनाने लायक लगे. महिंद्रा हर डिलीवरी के साथ ग्राहकों को एक क्यूरेटेड वीडियो गाइड का सेट भी दे रही है, जिसमें ईवी चार्जिंग के स्मार्ट तरीकों, ड्राइविंग तकनीकों और कनेक्टेड फीचर्स का विस्तृत वॉकथ्रू शामिल है. इससे यूजर को पहले दिन से ही अपने इलेक्ट्रिक एसयूवी का पूरा लाभ उठाने में मदद मिलती है.

ब्रिटिश निवेशक भारत में निवेश के लिए आमंत्रित

लंदन 09 अप्रैल (वार्ता) केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को ब्रिटिश निवेशकों को भारत में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुये कहा कि भारत वैश्विक फिनटेक क्रांति का नेतृत्व कर रहा है और दुनिया के लगभग आधे वास्तविक समय के लेन-देन के साथ और वैश्विक स्तर पर भारत में सबसे अधिक फिनटेक अपनाने की दर 87 प्रतिशत है.

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी देते हुये कहा कि श्रीमती सीतारमण ने यहां निवेश गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया. इस अवसर पर ब्रिटेन के व्यापार और व्यापार राज्य सचिव के साथ ही लंदन के लॉर्ड मेयर एलेस्टेयर किंग उपस्थित थे.

भारत को निवेश के प्रचुर अवसरों वाले स्थान के रूप में स्थापित करते हुए वित्त मंत्री ने प्रतिभागियों को अवगत कराया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है तथा 2032 तक छठा सबसे बड़ा

बीमा बाजार बनने के लिए तैयार है. वित्त मंत्री ने पिछले एक दशक में भारत सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के लिए सुधारों की सफलता का श्रेय दिया, जिसमें गैर-अपराधीकरण और व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए अनुपालन बोझ में कमी के साथ-साथ शासन सुधार शामिल हैं. उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट स्वीकार करती है कि भारत की वित्तीय प्रणाली 2017 में पिछले एफएसएपी के बाद से अधिक लचीली और विविधतापूर्ण हो गई है.

वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के पहले अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र गिफ्ट सिटी में पहले से ही 810 से अधिक पंजीकृत संस्थाएँ हैं और यह वैश्विक वित्त और नवाचार के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में तेज़ी से उभर रहा है.

गोलमेज सम्मेलन के हिस्से के रूप में ब्रिटेन के प्रमुख वित्तीय संस्थानों के प्रतिभागियों ने भारत में अपने वर्तमान व्यवसाय और निवेश जुड़ाव के क्षेत्रों को वित्त मंत्री के साथ साझा किया. प्रतिभागियों ने सुधारों के प्रति भारत के दृष्टिकोण और अनुपालन बोझ को कम करने और व्यवसायों को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को स्वीकार किया और दोनों देशों के बीच गहन और टिकाऊ निवेश सहयोग हासिल करने के लिए और क्या किया जा सकता है इस पर अपने अवलोकन और सुझाव साझा किए.

कर्ज में डूबी वोडाफोन-आइडिया कंपनी

सरकारी स्पेक्ट्रम से जुड़ा कर्ज 2.14 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 10 अप्रैल. दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड का कर्ज दिसंबर 2024 तक सालाना 7 प्रतिशत बढ़कर 2.17 लाख करोड़ रुपये हो गया है. इसमें सरकारी स्पेक्ट्रम से जुड़ा कर्ज 2.14 लाख करोड़ रुपये है. इसके अलावा बैंकों का कर्ज 2,300 करोड़ रुपये है.

कंपनी ने बुधवार को जारी निवेशक प्रेजेंटेशन में कहा कि कर्ज में उछाल मुख्य रूप से सरकारी देनदारियों में बढ़ोतरी की वजह से है. इससे पहले, 30 मार्च को सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी 22.6 प्रतिशत बढ़ाकर 49 प्रतिशत कर दी थी.इससे पहले ङ्कढ्ढ ने घोषणा की थी कि सरकार कंपनी के स्पेक्ट्रम नीलामी बकाए ?36,950 करोड़ को इक्विटी शेयरों में बदलेगी. यानी कंपनी पर जो भी बकाया है, उसके मूल्य का एक हिस्सा सरकार हासिल करेगी. इससे कंपनी में सरकार की हिस्सेदारी बढ़कर 49% हो जाएगी. हालांकि, प्रमोटरों के पास कंपनी का परिचालन नियंत्रण बना रहेगा.वोडाफोन आइडिया ने एक प्रेस बयान में कहा कि संचार मंत्रालय ने सितंबर 2021 के दूरसंचार सुधार पैकेज के तहत रूपांतरण को मंजूरी देते हुए 29 मार्च 2025 को एक आदेश जारी किया था कंपनी को यह आदेश 30 मार्च को मिला.

लौह अयस्क डिपाजिट की नीलामी की प्रक्रिया पूरी

जगदलपुर, 10 अप्रैल (वार्ता) छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में लौह अयस्क की चार डिपाजिट की नीलामी की प्रक्रिया पूरी हो गई है.

दंतेवाड़ा जिले में बैलाडीला स्थित लौह अयस्क की तीन नई डिपाजिट में से दो विश्व की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी आर्सेलर मित्तल और एक रूंगटा स्टील को मिली है. कांकेर जिले के हाहालदी की डिपाजिट सागर स्टोन के हिस्से में आई है.झ प्रदेश सरकार ने इसी वर्ष जनवरी के

मध्य में बैलाडीला की डिपाजिट-01-ए डिपाजिट-01-बी और डिपाजिट 01-सी तथा कांकेर की हालालदी स्थित डिपाजिट की नीलामी की आनलाइन प्रक्रिया शुरू की थी.

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली 10 अप्रैल (वार्ता) अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने और सरकार के इन ईंधनों पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क में दो-दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं हुआ है.

समाचार विशेष

बिहार चुनाव पर नजर, देवेंद्र फडणवीस ने टेढ़ी कीं नजरें

मराठी भाषा पर राज ठाकरे के तेवर यूं ही नहीं पड़े ठंडे

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने गुड़ी पड़वा के दिन मी मराठी (मैं मराठी) अभियान शुरू किया. यह मराठी नव वर्ष का दिन 30 मार्च था. उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि जो लोग राज्य में मराठी बोलने से इनकार करते हैं उन्हें थप्पड़ मारने में संकोच न करें. लेकिन, मनसे प्रमुख का मराठी भाषा और पहचान की राजनीति को लेकर यह नया अभियान ज्यादा दिन नहीं चला. इसे कई तरफ से भारी विरोध का

सामना करना पड़ा.

उनका यह दांव उल्टा पड़ गया और उन्होंने इसे कैंपेन को वापस ले लिया. भारतीय जनता पार्टी के सूत्रों का कहना है कि देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार पर दबाव था कि वह इस क्षेत्रीय संगठन पर सख्ती से लगाम लगाए. आखिर देवेंद्र फडणवीस ने राज ठाकरे पर लगाम लगाई. सूत्रो की मानें तो यही कारण है कि राज ठाकरे इस मुद्दे से पीछे हट गए.

बिहार चुनाव पर असर का डर- बीजेपी के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि राज ठाकरे के अभियान का असर बीजेपी के उत्तर भारतीय वोटरों पर पड़ रहा था. बीजेपी अपने इन उत्तर भारतीय कोर वोटर्स को नाराज नहीं करना चाहती है क्योंकि अब बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक हैं.

ठंडे पड़े राज ठाकरे, बोले- समझौता नहीं लेकिन...

राज ठाकरे की गुड़ी पड़वा रैली के बाद राज्य भर से खबरें आईं कि मनसे कार्यकर्ताओं ने उन लोगों पर हमला किया जो मराठी नहीं बोलते. शनिवार को मनसे प्रमुख ने अपनी पार्टी के वर्कर्स से कहा कि कानून को अपने हाथ में न लें. उन्होंने कहा कि जब भी मराठी को हल्के में लिया जाएगा, हम हस्तक्षेप करेंगे. हम समझौता नहीं कर रहे हैं. हम कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहते. मैं सरकार से उम्मीद करता हूं कि वह राज्य भर के सभी प्रतिष्ठानों में मराठी के कार्यान्वयन के संबंध में कानून का पालन करेगी.

तीन दशक की कसक निकाल पाएगी भाजपा?

सीकर के निकाय चुनाव में जानें क्या है गणित

सीकर. सीकर नगर परिषद के 65 वार्डों का पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन होने जा रहा है. इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने अस्थाई प्रारूप का प्रकाशन कर आगामी 17 अप्रैल तक सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की है.

समझा जा सकता है कि उक्त प्रारूप के अंतिम प्रकाशन के बाद आने वाले चुनाव में शहरी सरकार की शक्ल बदल जायेगी. बता दें कि अब तक कांग्रेस ने वार्डों का इस प्रकार से गठन कर रखा था कि तमाम कोशिश के बावजूद भाजपा बहुमत के आंकडें से काफी दूर खड़ी रहती थी जबकि कांग्रेस बिना किसी हिल हुज्जत के बीते 30 वर्षों से लगातार चैयरमैन की कुर्सी पर आराम से बैठ रही है, जिसका भाजपाईयों को बेहद मलाल है.

राजस्थान में इस बार सत्ता में लौटी भाजपा का मंसूबा है कि वो हर हाल में जनपद की महत्वपूर्ण नगर परिषद में अपना झंडा लहराए.

निकाय चुनाव में जीत के लिए गंभीर बीजेपी

संभवतः इस वर्ष के अंतिम महिनों में होने वाले निकाय चुनाव में भाजपा अब तक की कसक को निकालने को लेकर गंभीर है. तभी तो वार्ड सीमाओं में इस प्रकार से बदलाव किया जा रहा है कि मुस्लिम पार्षदों की संख्या घट जाये. शहरी राजनीति के प्रमुख मुस्लिम नेताओं में निवर्तमान सभापति जीवण खां, उनकी पत्नी खतीजा बानो, वरिष्ठ पार्षद अब्दुल रजाक पंवार, मुश्ताक खां, शाकिर भारती, अब्दुल लतीफ चौहान और साबिर बिसायती के अलावा निवर्तमान उप सभापति अशोक चौधरी के वार्डों की सियासी गणित बदलने की जोरदार कसरत की गई है.

केरल चुनाव से पहले एमए बेबी का दांव

सीपीएम के पहले महासचिव हैं, जो ईसाई समुदाय के

तिरुवनंतपुरम. कह सकते हैं कि देश की सबसे बड़ी कम्युनिस्ट पार्टी सीपीएम के पास ज्यादा विकल्प नहीं थे. लगभग सभी राज्यों में उसका संगठन बहुत कमजोर हो गया है और दूसरी पीढ़ी के नेता तैयार नहीं हुए हैं. उसके पास सिर्फ केरल में संगठन मजबूत है और इसलिए केरल के नेता को सीपीएम का महासचिव बनाया गया है. लेकिन इसके पीछे कहीं न कहीं केरल के विधानसभा चुनाव का भी मामला है.

गौरतलब है कि केरल में अगले साल मई में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं. पिछली बार सीपीएम ने इतिहास बदला था. पांच साल पर

सत्ता बदलने के इतिहास को पलटते हुए सीपीएम ने लगातार दूसरी बार कांग्रेस को हरा कर सत्ता हासिल की थी. अब 10 साल के बाद फिर सीपीएम जीत जाए इस पर पार्टी नेताओं को भी संदेह है.

ध्यान रहे पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के गठबंधन यूडीएफ ने राज्य की सभी 20 लोकसभा सीटें जीतीं. राहुल गांधी वायनाड से दूसरी बार जीते थे लेकिन उन्होंने इस्तीफा दे दिया और प्रियंका गांधी वाड्रा वहां से सांसद बनी हैं. ऊपर से सीपीएम सरकार के खिलाफ 10 साल की एंटी इनकम्बैंसी है. तभी ईसाई समुदाय से आने वाले एमए बेबी पार्टी के बहुत काम आ सकते हैं. ईएमएस नंबूदरीपाद के बाद वे केरल के दूसरे व्यक्ति हैं, जो सीपीएम महासचिव बने हैं. प्रकाश करात केरल के रहने वाले थे लेकिन जीवन भर तमिलनाडु (पुराने मद्रास) में और दिल्ली में रहे.

विशेष | पश्चिम बंगाल से तो गहरा नाता

राम पूरब में बीजेपी के लिए बनेंगे रामबाण?

नई दिल्ली/कोलकाता. एक साल के अंदर राजनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण दो बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं. एक में बीजेपी का परचम सालों से लहरा रहा है, तो दूसरे में भाजपा को अभी तक सरकार बनाने का मौका नहीं मिला है.

हालांकि, पिछले एक दशक में वहां भी उम्मीद की किरण दिखाई पड़ने लगी है. ये दो राज्य हैं- बिहार और पश्चिम बंगाल. बिहार में इसी साल चुनाव होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में अगले साल यानी 2026 असेंबली इलेक्शन होने वाले हैं. बिहार में बीच आने वाले राजनीतिक हिचकोलों को छोड़ दिया जाए तो तकरीबन दो दशक से सत्ता में है. वहीं, पश्चिम बंगाल में बीजेपी लगातार अपना पॉलिटिकल बेस बनाने में जुटी है. पिछले एक दशक में भाजपा को विधानसभा चुनाव से लेकर लोकसभा चुनाव तक में उल्लेखनीय सफलता मिली है. इस बार के रामनवमी के मौके पर बीजेपी ने पूरे बंगाल में सैकड़ों शोभा यात्राएं निकाल कर राम नाम की राजनीति को उत्तर से पूरब लाने की पुख्ता तैयारी करने के साफ संकेत दे दिए हैं. बीजेपी ने भगवान राम के नाम का ध्वज थामकर देशभर में अपना परचम बुलंद किया है. बीजेपी ने अपनी राजनीतिक यात्रा में सफलता दर सफलता हासिल की लेकिन राम के नाम को कभी नहीं बिसराया. अब ममता बनर्जी के गढ़ में भाजपा राम का नाम लेकर ही हुंकार भर रही है. रामनवमी के मौके पर भाजपा ने इसका स्पष्ट संकेत भी दे दिया है. भाजपा, आरएसएस और अन्य हिन्दुवादी संगठनों ने पूरे पश्चिम बंगाल में तकरीबन 2000 शोभा यात्राएं निकालीं. इनमें हजारों की तादाद में लोगों ने हिस्सा लिया. इसका राजनीतिक संकेत पूरी तरह से साफ और स्पष्ट है.

राम मंदिर की आधारशिला- साल 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के सोनाचूरा गांव में राम मंदिर की आधारशिला रखी. यह स्थल ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि यह साल 2007 के भूमि अधिग्रहण विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र था, जहां हुई गोलीबारी में कम से कम सात प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी. जय श्री राम के नारों के बीच भगवा वस्त्र पहने शुभेंदु अधिकारी ने शहीद मीनार से सोनाचूरा में प्रस्तावित मंदिर स्थल तक एक रैली का नेतृत्व किया. उन्होंने कहा कि हम शांतिप्रिय लोग हैं. हम कभी ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो कानून तोड़ने के बराबर हो.

बंगाल का भगवान राम से गहरा नाता

पश्चिम बंगाल में भले ही रामायण की प्रमुख घटनाएं सीधे तौर पर नहीं घटित हुई हों, लेकिन यहां कुछ ऐसे स्थल हैं जो रामायण काल से जुड़े हुए माने जाते हैं या जिनका संबंध भगवान राम या फिर हनुमान से हैं. सुश्रवण (सुश्रवणगढ़) बर्दवान जिले में स्थित है. माना जाता है कि यह स्थान सुग्रीव के भाई बाली द्वारा शासित था. कुछ मान्यताओं के अनुसार, राम और सुग्रीव के बीच गठबंधन का संदर्भ यहां मिलता है. इसके अलावा गंधेश्वरी मंदिर मुकरा, बांकुड़ा जिला में स्थित है.